सियासत के अलावा और कोई दूसरी बात नहीं कही गई है। श्री बागड़ी जी चले गए, उन्होंने इस्तीफे का जिक्र किया है और उसके अलावा उन्होंने कोई बात नहीं कही थी। जिक्र कर रहे थे, कि होम मिनिस्टर को इस्तीफा देना चाहिए, हकूमत को इस्तीफा देना चाहिए और वाजपेयी जी ने भी भाषण शुरू करते वक्त एक बात कही थी कि इसकी जिम्मेदारी किसी पर डालनी चाहिए तो वह हकूमत है। मेरा ऐसा ख्याल है कि इस वाक्ये को डिस्कस करने के लिए सबसे जरूरी चीज थी कि यह वाक्या क्यों पेश आया और इस वाक्ये के पेश न होने के आइन्दा क्या कदम उठाये जायें।

17.30 hrs

RE-ANNOUNCEMENT HALF-AN-HOUR DISCUSSION

MR. DEPUTY-SPEAKER : It is 5-30 p. m. I have to make an announcement, I have to inform the Houset hat Shri B. V. Desai in whose name Half-an-Hour Discussion is listed for to-day is not present. Therefore, discussion on Qutab tragedy may continue after 5-30 p. m. also.

I hope the House agrees.

SOME HON. MEMBERS : Yes.

17.31 hrs.

RELEASE OF MEMBER

MR. DEPUTY-SPEAKER : I have to inform the House that Speaker has received the following wireless message dated 5 December 1981 from the Superintendent, District Jail, Indore (M.P.) to-day :

"One hundred thirty six agitators of Bharatiya Janata Party are released from Jail to-day, the 5th December 1981, including one Member of Parliament, Shri Phool Chand Verma by order of S.D.M., Sawer."

DISCUSSION *RE*-TRAGIC DEATH OF 45 PERSONS AND INJURIES TO SEVERAL OTHERS AT THE QUTAB MINAR ON DECEMBER 4, 1981 *Contd.*

MR. DEPUTY-SPEAKER : Now, Shri Bhiku Ram Jain.

श्री भीकू राम जैन : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह अर्ज कर रहा था कि इस दुःखद वाक्ये का जिक्र करते हुए वाजपेयी जी और हमारे दूसरे दोस्तों ने, मुखालिफ पार्टियों के दोस्तों ने, अभी तक यह नहीं बतलाया कि अगर इस किस्म का वाक्या आइन्दा हो तो क्या कार्यवाही करनी चाहिये, सिवाय इसके कि गवर्नमेन्ट ने यह नहीं किया, वह नहीं किया, गवर्नमेन्ट जिम्मेदार है, गवर्नमेन्ट को इस्तीफा दे देना चाहिए। वाजपेयी जी ने नैतिकता का जिक्र किया, लेकिन यह नहीं बतलाया कि उन 28 महीनों में उन्होंने नैतिकता का क्या सुबूत दिया था ? उस जमाने में भी इस तरह के वाक्यात हुए थे... आप चाहेंगे तो मैं लिस्ट दे दूंगा... (व्यवधान)... आप कहते हैं एक दफा...

MR. DEPUTY-SPEAKER : This is not the time to list all those occasions.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : कौन सा वाक्या है, बतला दो ?